19
2.59 PM
11.11.2020

प्ररूप 2ड
(नियम 4 देखिये)

# नाम निर्देशन–पत्र

## इलाहाबाद–झाँसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र

परिषद् निर्वाचन क्षेत्र से उत्तर प्रदेश (राज्य) की विधान परिषद के लिये निर्वाचन–2020



### भाग–1

हम ............ उत्तर प्रदेश .............................. (राज्य) की विधान परिषद के निर्वाचन के लिये इलाहाबाद–झाँसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित को नामनिर्देशित करते हैं।

अभ्यर्थी का नाम हरिश्चन्द्र सिंह

(पिता/माता/पति का नाम) स्व० कामता सिंह

उसका डाक पता ग्राम–अन्धावा, पो० सराय बनामत, हनुमानगंज, इलाहाबाद

उसका नाम 256 फूलपुर विधान सभा/निर्वाचन–क्षेत्र की निर्वाचक नामावली के भाग संख्या 329 में क्रम संख्या 443 पर प्रविष्ट है।

हम घोषणा करते हैं कि हम मतदाता हैं और हमारे नाम इलाहाबाद–झाँसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में, जैसा कि नीचे उपदर्शित किया गया है, प्रविष्ट है और इस नामनिर्देशन के प्रतीक स्वरूप हम नीचे अपने हस्ताक्षर करते हैं :

### प्रस्थापकों की विशिष्टियां और उनके हस्ताक्षर

| क्रम सं. | प्रस्थापक की निर्वाचक नामावली संख्या | | पूरा नाम | हस्ताक्षर | तारीख |
|---|---|---|---|---|---|
| | निर्वाचक नामावली की भाग संख्या | उस भाग में क्रम संख्या | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | 42 | 442 | सुधाकर सिंह | सुधाकर सिंह | 11-11-2020 |
| 2 | 38 | 867 | बृजभान सिंह | बृजभान सिंह | 11-11-2020 |
| 3 | 51 | 149 | माहेश्वरी सिंह | [illegible] | 11-11-2020 |
| 4 | 20 | ~~149~~ | राहुल कुमार सिंह | Singh | 11-11-2020 |
| 5 | ~~38~~ 20 | ~~[illegible]~~ 67 | ~~[illegible]~~ विमलसिंह | [illegible] | 11-11-2020 |
| 6 | 38 | 958 | बलवन्त सिंह | [illegible] | 11-11-2020 |
| 7 | 102 | 120 | अखिलेश कुमार सिंह | [illegible] | 11-11-2020 |
| 8 | 102 | 247 | चितरंजन सिंह | चितरंजन सिंह | 11-11-2020 |
| 9 | 38 | 341 | ऋषिपाल | [illegible] | 11-11.2020 |
| 10 | 38 | 601 | दिग्विजय सिंह | [illegible] | 11-11-2020 |

* प्रस्थापक निर्वाचन क्षेत्र के दस प्रतिशत मतदाता या दस ऐसे मतदाता, जो भी कम हों, होने चाहिये।

मैं, उपरिवर्णित अभ्यर्थी इस नामनिर्देशन के लिये अपनी अनुमति देता/देती हूँ और घोषणा करता/करती हूँ कि :–

(क) मैं भारत का नागरिक हूँ और मैंने किसी अन्य विदेशी राज्य की नागरिकता अर्जित नहीं की है,

(ख) मैंने ......70...... वर्ष की आयु पूरी कर ली है,

(ग) मैं इस निर्वाचन में ......निर्दलीय...... दल द्वारा खड़ा किया गया हूँ/खड़ी की गई हूँ,

(घ) मेरा नाम और मेरे पिता/माता/पति का नाम ऊपर ......हिन्दी...... (भाषा का नाम) में सही रूप से लिखा गया है, और

(ङ) अपनी पूर्ण जानकारी और विश्वास के अनुसार मैं, इलाहाबाद–झाँसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से उत्तर प्रदेश (राज्य) की विधान परिषद के रिक्त स्थान को भरने के लिये चुने जाने हेतु अर्हित हूँ और निरर्हित नहीं हूँ।

मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि इसके साथ–साथ होने वाले विधान परिषद के विद्यमान द्विवार्षिक निर्वाचन/उप निर्वाचनों में दो स्थानों के लिये किसी अभ्यर्थी के रूप में नामनिर्दिष्ट नहीं किया गया हूँ और न ही किया जाऊंगा।

तारीख ...11-11-2020...

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

* जो लागू न हो, उसे काट दें।

## भाग–2

(अभ्यर्थी द्वारा भरा जाए)

(1) क्या अभ्यर्थी को –

(i) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 8 की –

(क) उपधारा (1) के अधीन किसी अपराध (अपराधों) के लिए , या

(ख) उपधारा (2) में विनिर्दिष्ट किसी विधिं के उल्लंघन के लिए,

सिद्धदोष ठहराया गया है , या | हां/नहीं ✓

(ii) ऐसे किसी अन्य अपराध (अपराधों) के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है, जिसके (जिनके) लिए उसे दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडित किया गया है।

**यदि उत्तर "हां" में है, तो अभ्यर्थी निम्नलिखित जानकारी देगा :**

(i) मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्यांक 203/1994

(ii) पुलिस थाना (थाने) सराय अकील जिला (जिले) इलाहाबाद राज्य उ.प्र.

(iii) संबद्ध अधिनियम (अधिनियमों) की धारा. (धाराएं) और उस अपराध (उन अपराधों) का संक्षिप्त विवरण, जिसके (जिनके) लिए उसे सिद्धदोष ठहराया गया था शून्य

(iv) दोषसिद्ध (दोषसिद्धियों) की तारीख/(तारीखें) शून्य

(v) वह (वे) न्यायालय जिसने (जिन्होंने) अभ्यर्थी को सिद्धदोष ठहराया था शून्य

(vi) अधिरोपित दंड कारावास (कारावासों) की अवधि और/या (जुर्माने) की राशि उपदर्शित करें शून्य

(vii) कारागार से निर्मुक्ति की तारीख (तारीखें) शून्य

(viii) क्या उपरोक्त दोषसिद्धि (दोषसिद्धियों) के विरूद्ध कोई अपील (अपीलें)/पुनरीक्षण फाइल किए गये थे : हाँ/नहीं

(ix) फाइल की गयी अपील (अपीलों)/पुनरीक्षण आवेदन (आवेदनों) की विशिष्टियां एवं तारीख शून्य

(x) उस न्यायालय (उन न्यायालयों) का (के) नाम, जिसके (जिनके) समक्ष अपील (अपीलें)/पुनरीक्षण आवेदन फाइल किए गये थे शून्य

(xi) क्या उक्त अपील (अपीलों)/पुनरीक्षण आवेदन (आवेदनों) का निपटारा हो गया है या वह/वे लंबित हैं शून्य

(xii) यदि उक्त अपील (अपीलों)/पुनरीक्षण आवेदन (आवेदनों) का निपटारा हो गया है, तो–

(क) निपटारे की तारीख (तारीखें) शून्य

(ख) पारित आदेश (आदेशों की प्रकृति) शून्य

(2) क्या अभ्यर्थी भारत सरकार या राज्य सरकार के अधीन कोई लाभ का पद धारण कर रहा है? ......नहीं......(हां/नहीं)

–यदि हां, धारित पद के ब्यौरे............................

(3) क्या अभ्यर्थी किसी न्यायालय द्वारा दिवालिया घोषित किया गया है ? ..........नहीं......(हां/नहीं)

–यदि हां, क्या उसे दिवालियापन से उन्मोचित कर दिया गया है ......नहीं..................

(4) क्या अभ्यर्थी किसी विदेशी देश के साथ राजनिष्ठा या अनुषति के अधीन है ? ..................(हां/नहीं)

–यदि हां, ब्यौरे दीजिए..........नहीं..........

(5) क्या अभ्यर्थी राष्ट्रपति के आदेश द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 8क के अधीन निरर्हित किया गया है? ..........नहीं......(हां/नहीं)

–यदि हां, निरर्हित किए जाने की अवधि......नहीं..........

(6) क्या अभ्यर्थी भारत सरकार या किसी राज्य की सरकार द्वारा पद धारण के दौरान भ्रष्टाचार या अभक्ति के लिए पदच्युत किया गया है?......नहीं......(हां/नहीं)

–यदि हां, ऐसी पदच्युति की तारीख..........नहीं..............

(7) क्या अभ्यर्थी या तो व्यष्टि हैसियत में या न्यास द्वारा या भागीदारी द्वारा सरकार के साथ कोई ऐसी अस्तित्ववान संविदा(संविदाएं) रखता है जिसमें(जिनमें) अभ्यर्थी का उस सरकार को किसी माल के प्रदाय के लिए या उस सरकार द्वारा किए संकर्म के निष्पादन के लिए शेयर रखता है?..................(हां/नहीं)

–यदि हां, तो कौन सी सरकार के साथ है और अस्तिववान संविदा(ओं) के ब्यौरे..........नहीं..............

(8) क्या अभ्यर्थी ऐसी किसी कंपनी या निगम(सहकारी सोसाइटी से भिन्न) का प्रबंधकीय अभिकर्ता या प्रबंधक या सचिव है जिसकी पूंजी में केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार पच्चीस प्रतिशत से कम शेयर नहीं रखती है?......नहीं......(हां/नहीं)

–यदि हां, कौन–सी सरकार के साथ और उसके ब्यौरे......नहीं......................

(9) क्या अभ्यर्थी आयोग द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 10क के अधीन निरर्हित किया गया है?.............. (हां/नहीं)

–यदि हां, निहर्रन की तारीख..........नहीं.................."

स्थान : झांसी आयुक्त कार्यालय

तारीख : 11-11-2020

[signature]

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

## भाग–3

(रिटर्निंग आफिसर द्वारा भरा जाए)

नाम निर्देशन पत्र की क्रम संख्या ......19......

यह नामनिर्देशन मुझे/मेरे कार्यालय न्यायालय कक्ष, आयुक्त, झाँसी मण्डल, झाँसी में ......11.11.2020...... (तारीख) को ......2.59 PM...... (बजे) अभ्यर्थी/प्रस्थापक ......हरिश्चन्द्र सिंह...... (नाम) द्वारा परिदत्त किया गया।

तारीख ......11.11.2020......

रिटर्निंग आफिसर

## भाग–4

नामनिर्देशन–पत्र को प्रतिगृहीत या रद्द करने वाले रिटर्निंग आफिसर का विनिश्चय

मैंने इस नामनिर्देशन–पत्र को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 36 के अनुसार परीक्षित कर लिया है और मैं निम्नलिखित रूप में विनिश्चय करता हूँ :—

तारीख ..........................

रिटर्निंग आफिसर

(यदि कोई हो) हैं तथा मेरा/मेरे सोशल मीडिया खाता/खाते (यदि कोई हो) निम्नलिखित हैं।

(i)..................

(ii)..................

(iii)..................

(4) स्थाई खाता संख्या (पैन) और आय-कर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति:

| क्रम सं. | नाम | पीएएन (स्थाई खाता संख्या) | वह वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है। | पिछले पांच वित्तीय वर्षों (31 मार्च को) के लिए आयकर विवरणी में दर्शित कुल आय (रुपए में) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | स्वयं<br>हरिश्चन्द्र सिंह | ATGPS 7221J | 2019 – 20 | 31-3-2020 (i) Rs 585,172/– |
| | | | 2018 – 19 | 31-3-2019 (ii) Rs 5,71,890/– |
| | | | 2017 – 18 | 31-3-2018 (iii) Rs 5,71,221/– |



NOTARY
Hari Har Sharan
Khare
Advocate
Regd. No.-47 (31), 2014
H. Q.-JHANSI
Validity 11 Feb. 2024
GOVT. OF U.P. (INDIA)

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | 31-3-2017 (iv) Rs 483542/- |
| | | | | 31-3-2016 (v) Rs 490600/- |
| 2. | पति या पत्नी | शून्य | शून्य | (i) |
| | | | | (ii) |
| | | | | (iii) |
| | | | | (iv) |
| | | | | (v) |
| 3. | हिंदू अविभक्त कुटुंब (यदि अभ्यर्थी कर्ता या सहदायिक है) | शून्य | शून्य | (i) |
| | | | | (ii) |
| | | | | (iii) |
| | | | | (iv) |
| | | | | (v) |
| 4. | आश्रित - 1 | शून्य | शून्य | (iii) |
| | | | | (i) |
| | | | | (ii) |
| | | | | (iii) |
| | | | | (iv) |
| | | | | (v) |
| 5. | आश्रित - 2 | शून्य | शून्य | (i) |
| | | | | (ii) |
| | | | | (iii) |
| | | | | (iv) |
| | | | | (v) |
| 6. | आश्रित - 3 | शून्य | शून्य | (i) |
| | | | | (ii) |
| | | | | (iii) |
| | | | | (iv) |
| | | | | (v) |

टिप्पण : स्थायी खाता संख्या (पैन) धारक के लिए स्थायी खाता संख्या (पैन) का उल्लेख करना आज्ञापक होगा और कोई स्थायी खाता संख्या (पैन) न होने की दशा में यह स्पष्ट रूप से कथन करना चाहिए कि "कोई स्थायी खाता संख्या (पैन) आबंटित नहीं हुआ है"।

NOTARY
Hari Shankar
Advocate
Regr. No.-47 (31) 2014
H. Q.-JHANSI
Validity 11 Feb. 2024
GOVT. OF U.P. (INDIA)

(5) लंबित आपराधिक मामले

(i) मैं यह घोषणा करता/करती हूं कि मेरे विरुद्ध कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है।

*(यदि अभ्यर्थी के विरुद्ध कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है तो इस विकल्प को चिह्नांकित करें और नीचे विकल्प (ii) के सामने लागू नहीं होता है लिखें)*

या

(ii) मेरे विरुद्ध निम्नलिखित आपराधिक मामले लंबित हैं:

*(यदि अभ्यर्थी के विरुद्ध आपराधिक मामले लंबित हैं तो इस विकल्प चिह्नांकित करें और उपरोक्त विकल्प (i) को काट दें और नीचे की सारणी में सभी लंबित मामलों का ब्यौरा दें)*

सारणी

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (क) | संबद्ध पुलिस थाने के नाम और पते के साथ प्रथम इत्तिला रिपोर्ट सं. | थाना - सराय इनायत, जनपद - इलाहाबाद<br>अपराध सं. 203/1994 | | |
| (ख) | न्यायालय के नाम के साथ मामला सं. | ए.सी.जे.एम. 17 इलाहाबाद | | |
| (ग) | अंतर्वलित संबद्ध अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं<br>*(धारा की सं. दें, अर्थात् भारतीय दंड संहिता, आदि की धारा.....)* | शून्य | शून्य | शून्य |
| (घ) | अपराध का संक्षिप्त विवरण | मारपीट एवं डकैती का अपराध | | |
| (ङ) | क्या आरोप विरचित किए गए हैं *(हां या नहीं का उल्लेख करें)* | शून्य | शून्य | शून्य |
| (च) | यदि उपरोक्त मद (ङ) के सामने उत्तर हां है, तो वह तारीख दें, जिसको आरोप विरचित किए गए थे | शून्य | शून्य | शून्य |
| (छ) | क्या कार्यवाहियों के विरुद्ध कोई अपील/पुनरीक्षण के लिए आवेदन फाईल किया गया है *(हां या नहीं का उल्लेख करें)* | शून्य | शून्य | शून्य |

(6) दोषसिद्धि के मामले,-

(i) ~~मैं यह घोषणा करता/करती हूं कि मुझे किसी आपराधिक मामले में दोषसिद्ध नहीं किया गया है।~~

*(यदि अभ्यर्थी दोषसिद्ध नहीं किया गया है तो इस विकल्प को चिह्नांकित करें और नीचे विकल्प (ii) के सामने लागू नहीं होता है लिखें)*

या

NOTARY Hari [illegible] Chara[illegible] [illegible]cate Regr No. 47 (24) 2014 H.Q.-JHANSI Validity 11 Feb. 2024 GOVT. OF U.P. (INDIA)

(ii) मुझे नीचे वर्णित अपराधों के लिए दोषसिध्द किया गया है:
*(यदि अभ्यर्थी दोषसिद्ध किया गया है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें, और उपरोक्त विकल्प (i) को काट दें, और नीचे दी गई सारणी में ब्यौरे दें)*

## सारणी

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (क) | मामला संख्यांक | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ख) | न्यायालय का नाम | | | शून्य |
| (ग) | अंतर्वलित अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं *(धारा की सं. दे अर्थात् भारतीय दंड संहिता, आदि की धारा......)* | शून्य | शून्य | |
| (घ) | अपराधों का संक्षिप्त विवरण, जिनके लिए दोषसिद्ध किया गया है | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ङ) | दोषसिद्धि के आदेशों की तारीखें | शून्य | शून्य | शून्य |
| (च) | अधिरोपित दंड | | | |
| (छ) | क्या दोषसिद्धि के आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाईल की गई है *(हां या नहीं का उल्लेख करें)* | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ज) | यदि उपरोक्त मद (छ) का उत्तर हां है, तो अपील के ब्यौरे तथा वर्तमान प्रास्थिति दें | शून्य | शून्य | शून्य |

(6क) मैंने, ऊपर पैरा (5) और पैरा (6) में दिए गए अनुसार मेरे विरुद्ध सभी लंबित आपराधिक मामलों की और दोषसिद्धि के सभी मामलों के बारे में अपने राजनीतिक दल को पूरी और अद्यतन सूचना दे दी है। शून्य

*[ऐसे अभ्यर्थियों को, जिन्हें यह मद लागू नहीं होती है, उपरोक्त पैरा 5(i) और पैरा 6(i) में की प्रविष्टियों को देखते हुए, स्पष्ट रूप से लागू नहीं होता है, लिखना चाहिए]*

NOTARY
Hari ... Advocate
Regn No. ... 2014
JHANSI
Validity 11 Feb. 2024
GOVT. OF U.P. (INDIA)

*टिप्पण:*

1. *ब्यौरे स्पष्ट रूप से और सुपाठ्य रूप से बड़े अक्षरों में प्रविष्ट किये जाने चाहिए।*
2. *प्रत्येक मद के सामने विभिन्न स्तंभों के अधीन प्रत्येक मामले के लिए ब्यौरे पृथक रूप से दिए जाए।*
3. *ब्यौरे विलोम कालानुक्रम में दिए जाने चाहिए, अर्थात् नवीनतम मामलों को पहले वर्णित किया जाए और अन्य मामलों के लिए तारीखों के क्रम में पीछे की ओर वर्णित किया जाए।*
4. *यदि अपेक्षित हो तो पृथक शीट जोड़ी जा सकती हैं।*
5. *अभ्यर्थी 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में सभी सूचनाएं देने का उत्तरदायी होगा।*

(7) मैं मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूं:

## अ. <u>जंगम आस्तियों के ब्यौरे :</u>

टिप्पण 1 - संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 - जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं., रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3 - सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4 - "आश्रित" से अभ्यर्थी के माता-पिता, पुत्र, पुत्री या पति या पत्नी और अभ्यर्थी से संबंधित कोई अन्य व्यक्ति, चाहे वह रक्त द्वारा हो या विवाह द्वारा, अभिप्रेत है(हैं), जिसके आय के पृथक साधन नहीं हैं और जो अपने जीवनयापन के लिए अभ्यर्थी पर आश्रित हैं।';

टिप्पण 5 - रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।

टिप्पण 6 - ब्यौरों में अपतट आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।

**स्पष्टीकरण,- इस टिप्पण के प्रयोजन के लिए "अपतट आस्तियों" पद से विदेशी बैंकों और किसी अन्य विदेशी निकाय या संस्था में सभी जमा राशियों या विनिधानों के ब्यौरे और विदेशों में सभी आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे अभिप्रेत हैं";**

| क्रम सं. | विवरण | स्वयं | पति या पत्नी | हिंदू अविभक्त कुटुंब | आश्रित-1 | आश्रित-2 | आश्रित-3 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (i) | हाथ में नकदी | R23840मात्र | | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ii) | बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम | 21.50 लाख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | |
| (iii) | कंपनियों/पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (iv) | राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्हीं वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम | 40 हजार | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (v) | किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (vi) | मोटर यान वाहन/वायुयानों/याच/पोत (मेक, रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम) | UP70 DM 6744 स्कार्पियो 2016 14 लाख<br>UP70 BY 7349 किआज 2017 11 लाख | | | | | शून्य |
| (vii) | जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे) | 8 तोला सोना | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (viii) | कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों/हित का मूल्य | | | | | | |
| (ix) | सकल कुल मूल्य | 85721890 मात्र | | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |



NOTARY Hari ... Regn. No. ... H.Q. JHANSI Validity 11 Feb. 2024 GOVT. OF U.P.

## ख. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

टिप्पणी 1 - संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पणी 2 - प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेन्ट का इस प्रारुप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

टिप्पणी 3 - ब्यौरों में स्थावर आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।

| क्रम सं. | विवरण | स्वयं | पति या पत्नी | हिंदू अविभक्त कुटुंब | आश्रित-1 | आश्रित-2 | आश्रित-3 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (i) | कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं) | खाता सं. 232 1 0.2040, 210 3 0.5140, 370 2 0.5860, 116 4 0.6420, 182 2 1.0900, 217 21 4.2040, 56 1 0.0290 } 1/3 | | | | | |
| | क्षेत्र (एकड़ में कुल माप) | 6.0482 | | | | | |
| | क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं) | पैतृक स्वयं | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख | | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में) | | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान | | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य | Rs 211.64 लाख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ii) | गैर कृषि भूमि : अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

NOTARY
Hari ... Sharan
Advocate
Regd. No. 47 (31) 2014
... JHANSI
Validity 11 Feb. 2024
GOVT. OF U.P. INDIA

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (iii) | **वाणिज्यिक भवन** (अपार्टमेंट सहित) -अवस्थिति (अवस्थितियां) -सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोई विनिधान | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (iv) | **आवासीय भवन** (अपार्टमेंट सहित) -अवस्थिति (अवस्थितियां) -सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं) | आवासीय भवन 84 एम.आई.जी. झांसी प्रभाग... | | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | 1962.4 फिट | | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | 1962.4 फिट | | स्वयं का भाग | 981.125 वर्ग फिट | | शून्य |
| | क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं) | शून्य | | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख | दि 10/12/2015 | | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में) | रु 5306620 मात्र | | स्वयं का भाग | 26,53310 मात्र शून्य | शून्य | शून्य |
| | विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य | Rs 1.20 करोड़ | | स्वयं का भाग 60 लाख मात्र | | | शून्य |
| (v) | अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |



NOTARY
Hari Shankar Sharan Hare
Advocate
Regr. No.-47 (31) 2014
H. Q.-JHANSI
Validity 11 Feb. 2024
GOVT. OF U.P.

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (iv) | पूर्वोक्त (i) से (iii) का कुल चालू बाजार मूल्य | Rs 2,42,690.00 मात्र | | | | | |

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/ को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूं:-
(टिप्पणी: कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यष्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक मद के समक्ष रकम के ब्यौरों का अलग-अलग विवरण दें)

| क्रम सं. | विवरण | स्वयं | पति या पत्नी | हिंदू अविभक्त कुटुंब | आश्रित-1 | आश्रित-2 | आश्रित-3 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (i) | बैंक/वित्तीय संस्था (संस्थाओं) की ऋण या शोध्य<br>बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति | आवासीय कर्ज<br>Rs13,21,430 मात्र | | | | | |
| | पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय की ऋण या शोध्य नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति | OD लिमिट<br>Rs12,49,376 मात्र | | | | | |
| | कोई अन्य दायित्व | | | | | | |
| | दायित्वों का कुल योग | Rs13,21,430.50 रुपये | | | | | |
| (ii) | सरकारी शोध्य:<br>सरकारी आवास से संबंधित विभागों को शोध्य<br><br>लागू नहीं | क. क्या अभिसाक्षी वर्तमान निर्वाचन की अधिसूचना की तारीख से पूर्व पिछले दस वर्ष के दौरान किसी समय सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आवास के अधिभोग में हैं ?<br>ख. यदि उपरोक्त (क) का उत्तर हां है तो निम्नलिखित घोषणा प्रस्तुत करें, अर्थात् :-<br>(i) सरकारी आवास का पता:<br>........................................<br>........................................<br>..............<br>(ii) उपरोक्त सरकारी आवास के संबंध में, निम्नलिखित के मद्दे कोई शोध्य संदेय नहीं है-<br>(क) भाटक;<br>(ख) विद्युत प्रभार;<br>(ग) जल प्रभार; और<br>(घ) ..................(तारीख) को टेलीफोन प्रभार<br>[तारीख उस मास से, जिसमें निर्वाचन अधिसूचित | | | | | हां/नहीं (कृपया उपयुक्त विकल्प पर सही का निशान लगाएं) |

NOTARY
Hari Shankar Khare
Advocate
Regn. No.-47 (31) 2014
H. Q.-JHANSI
Validity 11 Feb, 2024
GOVT. OF U.P. (INDIA)

| | | |
|---|---|---|
| | | किया जाता है, पूर्व तीसरे मास की अंतिम तारीख या उसके पश्चात् की कोई तारीख होनी चाहिए) टिप्पण– उपरोक्त सरकारी आवास के लिए भाटक, विद्युत प्रभार, जल प्रभार और टेलीफोन प्रभार की बाबत् संबंधित अभिकरणों का "बेबाकी प्रमाणपत्र" प्रस्तुत किया जाना चाहिए। |
| (iii) | सरकारी परिवहन से संबंधित विभाग को शोध्य (जिसके अंतर्गत वायुयान और हेलीकॉप्टर भी हैं) | शून्य |

| | | स्वयं | पति/पत्नी | हिंदू अविभक्त कुटुंब | आश्रित-1 | आश्रित-2 | आश्रित-3 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (iv) | आयकर शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (v) | जीएसटी शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (vi) | नगरपालिका/संपत्ति कर शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (vii) | कोई अन्य शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (viii) | सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ix) | क्या कोई अन्य दायित्व विवादग्रस्त हैं, यदि ऐसा है तो उसमें अंतर्वलित रकम का और प्राधिकारी का, जिसके समक्ष यह लंबित है, उल्लेख करें। | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

(9) वृत्ति या उपजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं ....कृषि व्यापार....

(ख) पति या पत्नी ....शून्य....

(9क) आय के स्रोतों के ब्यौरे–

(क) स्वयं ....कृषि व्यापार....

(ख) पति या पत्नी ....शून्य....

(ग) आश्रितों के आय के स्रोत,यदि कोई हों....................

(9ख) समुचित सरकार और किसी पब्लिक कम्पनी या कम्पनियों के साथ संविदाएं-

(क) अभ्यर्थी द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे....................

(ख) पति या पत्नी द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे....................

(ग) आश्रितों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे....................

NOTARY Hari Shankar Khare Advocate Regr.No.-47 (31) 2014 H. Q.-JHANSI Validity 11 Feb. 2024 GOVT. OF U.P. (INDIA)

(ग) हिंदू अविभक्त कुटुम्ब या न्यास, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रित हितबद्ध हैं, द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे......शून्य......

(घ) भागीदारी फर्मों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रित भागीदार हैं........शून्य........

(ङ) प्राइवेट कम्पनियों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रितों हिस्सा हैं..........शून्य.........।

(10) मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिए अनुसार है:-

..........................................................................

(स्नातक/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें)।

1. हाई स्कूल प्रमाण पत्र 1964
2. इन्टरमीडिएट प्रमाण पत्र 1966
3. स्नातक अंक पत्र 1967
4. स्नातक अंक पत्र 1968

NOTARY
Hari Shankar Jhare
Advocate
Regn. No. 47 (31) 2014
H.Q. JHANSI
GOVT. OF U.P. (INDIA)
11/11/2020

## भाग-ख

(11) भाग-क के (1) से (10) तक में दिए गए ब्यौरों का सारांश

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | अभ्यर्थी का नाम | | | श्री/श्रीमती/कु. हरिश्चन्द्र सिंह | | | |
| 2. | डाक का पूरा पता | | | अम्बावा सराय श्रामत इजमनजोज स्नानदीप | | | |
| 3. | निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य | | | शून्य | | | |
| 4. | उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा 'निर्दलीय' लिखें) | | | निर्दलीय | | | |
| 5. | लंबित आपराधिक मामलों की कुल संख्या | | | कुल सं. क्रिमिनल (जाए) एक | | | |
| 6. | ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें दोषसिद्ध ठहराया गया है"। | | | शून्य | | | |
| 7. | | स्थायी लेखा सं. (पैन) | | यह वर्ष जिसके लिए अंतिम आय-कर विवरणी फाइल की गई है | | कुल दर्शित आय | |
| | (क) अभ्यर्थी | ATGPS7221J | | 2019-2020 | | Rs 10,99452/- | |
| | (ख) पति या पत्नी | शून्य | | शून्य | | शून्य | |
| | (ग) हिंदू अविभक्त कुटुंब | शून्य | | शून्य | | शून्य | |
| | (घ) आश्रित | | | | | | |
| 8. | आस्तियों और दायित्वों (अपसट आस्तियों सहित) के रुपयों में ब्यौरे- | | | | | | |
| | विवरण | स्वयं | पति या पत्नी | हिंदू अविभक्त कुटुंब | आश्रित-1 | आश्रित-2 | आश्रित-3 |
| क. | जंगम आस्तियां (कुल मूल्य) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| ख. | स्थावर आस्तियां | | | | | | |
| I. | स्वार्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत | Rs 265031 लगभग | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| II. | क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

NOTARY
Hari Shankar Shankar Jhare
Advocate
Regr. No.-47 (31) 2014
H. Q.-JHANSI
Validity 11 Feb. 2024
GOVT. OF U.P. (INDIA)
1/1/2020

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | iii. | अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत- (क) स्वार्जित आस्तियां (कुल मूल्य) (ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य) | रु3लाख मात्र<br>रु211,69000 मात्र | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| 9. | | दायित्व | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | (i) | सरकारी शोध्य (कुल) | | | | | | |
| | (ii) | बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल) | रु1321430.50 मात्र | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| 10. | | ऐसे दायित्व जो विवादाधीन हैं | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | (i) | सरकारी शोध्य (कुल) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | (ii) | बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| 11. | उच्चतम शैक्षणिक अर्हता : स्नातक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय 1968<br>(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण रूप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें।) | | | | | | | |

## सत्यापन

मैं, उपर उल्लिखित, अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूं कि इस शपथपत्र की विषय-वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इस से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूं कि :-

NOTARY GOVT. Advocate H.Q.-JHANSI U.P. (INDIA)

(क) मेरे विरुद्ध ऊपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामले से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है:

(ख) मेरे पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास ऊपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

तारीख 11-11-2020 को सत्यापित किया गया।

अभिसाक्षी

---

टिप्पण : 1. शपथपत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को अपराह्न 3:00 बजे तक फाइल किया जाना चाहिए।

टिप्पण : 2. शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नौटेरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण : 3. सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोडें, यदि किसी मद के संबंध में देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथास्थिति "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण : 4. शपथपत्र टंकित या सुपाठ्य रूप से साफ-साफ लिखित होना चाहिए।

टिप्पण : 5. शपथ पत्र का प्रत्येक पृष्ठ अभिसाक्षी द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, शपथ पत्र के प्रत्येक पृष्ठ पर ऐसे नोटरी या शपथ आयुक्त या मजिस्ट्रेट जिसके समक्ष शपथ पत्र सत्यापित किया जाता है, की स्टांप होनी चाहिए।

Serial No. 651/2020 Date 11/11/2020
Certified that the foregoing statement sworn before me that day at ....................
by Sri/Smt./Kum. Harish chandra Singh
who the contents of this affidavit have been read over and explained and who is identified by Shri ....................
Received the legal fee Rs 15/-
11-11-2020

HARI HAR SHARAN KHARE
NOTARY, ADVOCATE
JHANSI (JHANSI)

NOTARY
Hari Har Sharan Khare
Advocate
Regn. No.-47 (31) 2014
H. Q.-JHANSI
Validity 11 Feb 2024
GOVT. OF U.P. (INDIA)

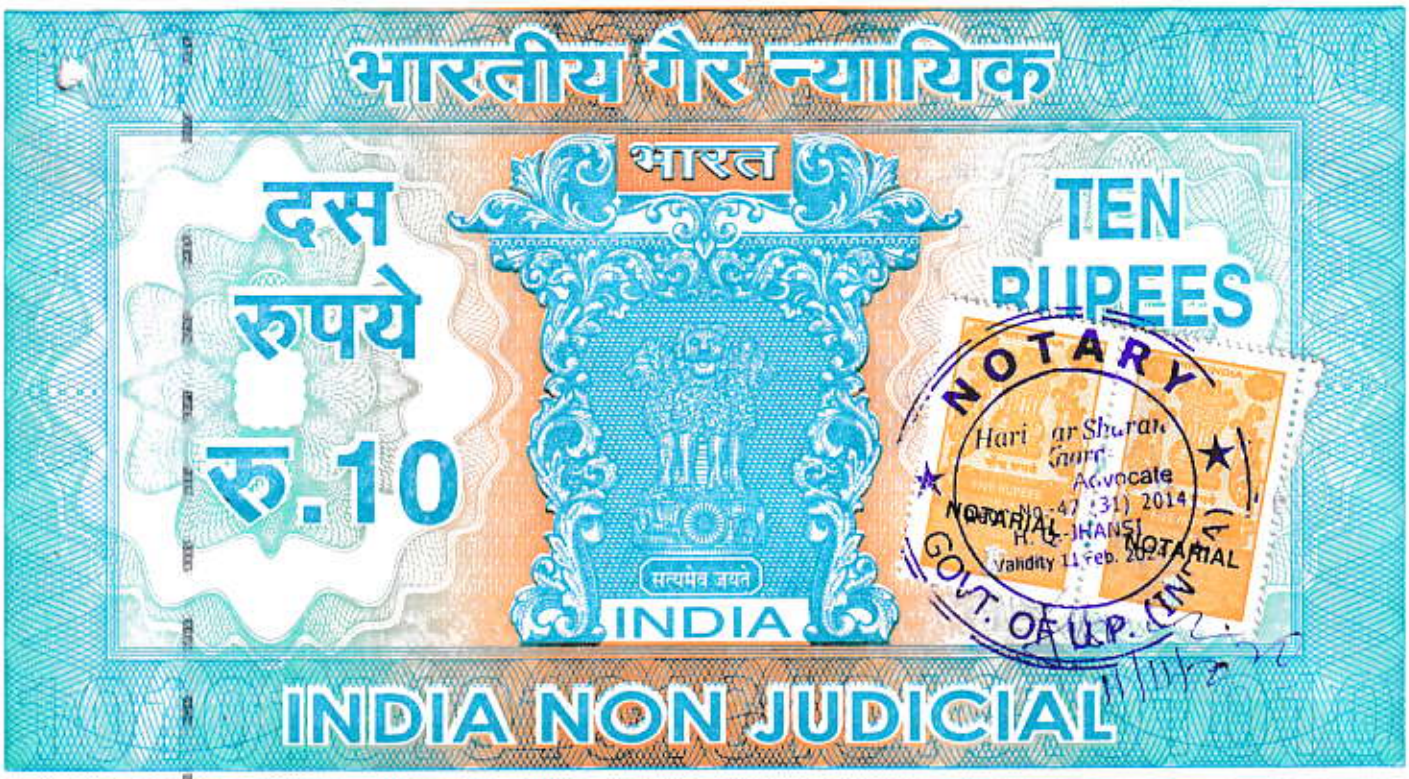

भारतीय गैर न्यायिक

भारत

दस रुपये रु.10

TEN RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

05AE 666522

समक्ष रिटर्निंग आफिसर महोदय,
इलाहाबाद - झाँसी खण्ड स्नातक निर्वाचन 2020

हरिश्चन्द्र सिंह पुत्र श्री बलवन्त सिंह नि० अंदावा (सोरांव/फूलपुर)
पो० (हनुमानगंज) इलाहाबाद / प्रयागराज उ०प्र०

NOTARY
Hari ar Sharan
Khare
Advocate
Regn.No.-47 (31) 2014
H. Q.-JHANSI
Validity 11 Feb. 2024
GOVT. OF U.P. (INDIA)
11/11/20

शपथकर्ता

शपथकर्ता
Identified & deponent
11.11.20

२४९० दि० ११-११-२०२० मू० ५०/

हरिश्चन्द्र ... अोझा (सैदाबाद)

लाइसेन्स नं० 12..., ...-31-3-2021

हस्ताक्षर

कार्यालय ...

20 SEP